



कृषि लोगों के जीवन और देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है: श्री राधा मोहन सिंह देश को विकसित करने के लिए कृषि और किसान, दोनों को विकसित करने की जरूरत है: श्री सिंह

Posted On: 27 SEP 2017 5:01PM by PIB Delhi

कृषि मंत्रालय न केवल कृषि के विकास के लिए बल्कि किसानों के कल्याण के लिए भी काम करता है: केन्द्रीय कृषि मंत्री

देश में कृषि विकास का लक्ष्य 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी करना है: श्री राधा मोहन सिंह

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह ने कहा है कि कृषि लोगों के जीवन और देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जहां 50 प्रतिशत से अधिक लोग अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं। देश को विकसित करने के लिए कृषि और किसान, दोनों को विकसित करने की जरूरत है। कृषि मंत्रालय अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से न केवल कृषि के विकास के लिए बल्कि किसानों के कल्याण के लिए भी काम करता है। श्री सिंह ने यह बात आज कृषि भवन, नई दिल्ली में स्टार्ट अप कंपनियों के सीईओ के साथ हुई बैठक में कही।

श्री राधा मोहन सिंह ने कहा कि देश में कृषि विकास का लक्ष्य है: '2012 तक किसानों की आमदनी दोगुनी करना'। सीमित संसाधनों और जमीन के निश्चित क्षेत्र की उपलब्धता के साथ, यह प्रोदोगिकी की सहायता के बिना हासिल नहीं किया जा सकता है, साथ ही इसे कम लागत, किसान के अनुकूल एवं मापनीय होने की जरूरत है।

कृषि मंत्रालय किसानों के हित कई योजनाएं चला रहा है- जैसे कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, राष्ट्रीय कृषि बाजार- (ई - नेम), परंपरागत कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना आदि।

यह सभी योजनाएं किसानों को विभिन्न तरह की सहायता प्रदान कर रही है जैसे मृदा स्वास्थ्य कार्ड। इससे मिट्टी के स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी और उर्वरकों की लागत भी कम हो जाएगी। इस कार्यक्रम के लिए लाखों मिट्टी के नमूनों का विश्लेषण करना होगा जिसमें अत्यधिक समय और परिश्रम की आवश्यकता है। मिट्टी के नमूने की जांच के लिए ऐसे तकनीकी की जरूरत है जिसमें कम लागत वाले हाथ से धारित (हैंड डिवाइस) से काम हो जाए, अर्थात् इसके लिए मृदा संवेदक या मिट्टी की उर्वरता मूल्यांकन के किसी भी गैर विनाशकारी विधि की जरूरत है। जो कि तकनीक का उपयोग करके मिट्टी के स्वास्थ्य का दूरस्थ रूप से मूल्यांकन कर सके।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जिसके अंतर्गत फसल की क्षति का आकलन समय पर और सही रूप में करने की जरूरत है ताकि किसानों को जल्द से जल्द और सटीक बीमा दावा समाधान के जरिए उन्हें लाभ पहुंचाया जा सके। इसके लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ने विभिन्न प्रोद्योगिकियों जैसे कि

1. स्मार्ट फोन आधारित एंड्राइड एप्लिकेशन द्वारा फसल कटौती प्रयोगों का डेटा संग्रह,
2. फसल क्षति, मध्य मौसम में प्रतिकूलता, क्षेत्र विसंगति एवं फसल कटाई के बाद नुकसान के आकलन के लिए उपग्रह एवं ड्रोन का प्रयोग।
3. बीमाधारक किसानों की संख्या बढ़ाने के लिए सूचना एवं तकनीकी आधारित आधारित समाधान को प्रोत्साहित किया है।

श्री सिंह ने कहा कि इसके लिए तकनीकी समाधान विकसित करने की आवश्यकता है। श्री राधा मोहन सिंह ने कहा कि किसानों के अनुकूल मंत्रालय के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए आवश्यक विभिन्न प्रोद्योगिकी जैसे सेंसर प्रद्योगिकी, बिग डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, एप डेवलपमेंट, जीआईएस आधारित पोर्टल का विकास, विभिन्न कृषि आकलन के लिए कम लागत वाले उपकरण शामिल हैं।

यह मंत्रालय इन विभिन्न प्रकार की प्रोद्योगिकियों और उनके विकास को बढ़ावा देगा जो किसानों के कल्याण के लिए अंततः इस्तेमाल किया जा सकता है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री द्वारा इस संबंध में विभाग में एक और ग्रुप गठन करने के लिए कहा जिससे इन सभी स्टार्ट अप के साथ आगे कार्य कर सकें।

SS

(Release ID: 1504191) Visitor Counter : 20

